

था बिन म्हारी आंख्या हो गई बावली भजन लिरिक्स



था बिन म्हारी,
आंख्या हो गई बावली,
ई टाबर के मन में बस गई,
सूरत थारी सांवली,
ई टाबर के मन में बस गई,
सूरत थारी सांवली lbd।

[तर्ज - थाली भरके लाई।](#)

मनड़ो म्हारो सुनो डोले,
डगमग झोला खावे है,
आंखइल्या विरहा की मारी,
आंसुड़ा टपकावे है,
कईया चलसी,
थां बिन म्हारी गाइली,
ई टाबर के मन में बस गई,
सूरत थारी सांवली lbd।

मीरा पर किरपा किनी है,
सुन कर आया बातइली,
दास थारो यो आस लगाया,
खड़यो जोवे है बाटइली,
प्रेम जाम से,
भरदो म्हारी बाटली,
Bhajan Diary,
ई टाबर के मन में बस गई,
सूरत थारी सांवली lbd।

पहल्या प्रीत लगाई के,
क्यों छोड़े मजधार जी,
प्रेम भाव को पाठ पढ़ाकर,
मत विसरे दिलदार जी,
मन में रम गई,
सूरत थारी सांवली,
ई टाबर के मन में बस गई,
सूरत थारी सांवली lbd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



था बिन म्हारी,
आंख्या हो गई बावली,
ई टावर के मन में बस गई,
सूरत थारी सांवली,
ई टावर के मन में बस गई,
सूरत थारी सांवली। **bd।**

गायक – संजू शर्मा जी।
